समाचार वाणी
ख़बर जो करें असर !

नाशिक | Tuesday, 22 September 2026

ट्रंप ने एप्पल के सीईओ को दी सलाह, 'भारत मे आंईफोन मत बनाइए, वे अपने देश मे इसका ख्याल रख लेगें..'

Publisher

Published on 15 May 2025

ट्रम्प ने भारत पर दुनिया मे संबसे अधिक कर लगाने वाला देश होने का आरोप लगाया है। यह भी कहा गया है कि भारत मे अंमेरिकी उत्पादों को बेचना बहुत कठिन है।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने एप्पल के सीईओ टिम कुक से आग्रह किया है कि वे एप्पल आईफोन का विनिर्माण भारत में स्थानांतरित न करें, तथा अमेरिका में विनिर्माण पर ध्यान केंद्रित करें। पिछले पांच वर्षों में भारत एप्पल आईफोन के सबसे बड़े विनिर्माण केन्द्रों में से एक के रूप में उभरा है। पिछले वित्तीय वर्ष के अंतिम 12 महीनों में कंपनी की असेंबली लाइनों ने 22 बिलियन डॉलर मूल्य के स्मार्टफोन का उत्पादन किया। अमेरिकी कंपनी ने पिछले साल की तुलना में भारत में 60 प्रतिशत अधिक आईफोन का उत्पादन किया है।

ट्रम्प, जिन्होंने अपने आक्रामक कर वृद्धि से वैश्विक बाजारों में हलचल मचा दी है, ने कतर में कहा कि वह नहीं चाहते कि कुक भारत में विनिर्माण करे। ट्रम्प ने कहा, "कल मुझे कूर्स से थोड़ी परेशानी हुई थी।"

डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा, "वे पूरे भारत में विनिर्माण कर रहे हैं। मुझे नहीं लगता कि उन्हें भारत में विनिर्माण करना चाहिए।" उन्होंने आगे कहा कि उनकी योजना संयुक्त राज्य अमेरिका में विनिर्माण बढ़ाने की है।

कोरोनावायरस प्रकोप के बाद भू-राजनीतिक तनाव के कारण एप्पल चीन के बाहर भी विनिर्माण की विभिन्न योजनाएँ बना रहा है।

ट्रम्प ने भारत पर दुनिया में सबसे अधिक कर बाधाएं लगाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि दुनिया के सबसे अधिक आबादी वाले देश में अमेरिकी उत्पाद बेचना बहुत मुश्किल है। एप्पल अपने अधिकांश उत्पाद चीन में बनाता है। भारत में, आईफोन को फॉक्सकॉन टेक्नोलॉजी ग्रुप के संयंत्रों और टाटा समूह द्वारा संचालित संयंत्रों में असेंबल किया जाता है।

ट्रम्प ने यह भी दावा किया है कि भारत ने 'शून्य कर' की पेशकश की है। इस बीच, ट्रंप ने यह भी दावा किया है कि भारत ने अमेरिकी वस्तुओं पर कर कम करने की पेशकश की है। गुरुवार को कतर में व्यापारियों के साथ एक कार्यक्रम में बोलते हुए ट्रम्प ने कहा, "भारत सरकार ने हमें एक सौदे की पेशकश की है, जिसमें वे हमसे कोई शुल्क नहीं लेंगे।"

कुछ दिन पहले डोनाल्ड ट्रम्प ने दावा किया था कि वह भारत और पाकिस्तान के बीच सैन्य संघर्ष को समाप्त करने के लिए व्यापार को सौदेबाजी के साधन के रूप में इस्तेमाल कर रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि युद्धविराम इसलिए हुआ क्योंकि उन्होंने व्यापार रोकने की धमकी दी थी। उसके बाद अब डोनाल्ड ट्रंप ने यह बयान दिया है।

हालाँकि, भारत ने डोनाल्ड ट्रम्प के इस दावे को खारिज कर दिया है कि अमेरिका ने दोनों देशों के बीच युद्धविराम समझौते में मध्यस्थता करने में मदद की थी। ट्रम्प का यह बयान भारत द्वारा इस्पात और एल्युमीनियम पर अमेरिकी टैरिफ बढ़ाए जाने के जवाब में जवाबी टैरिफ लगाने की धमकी के कुछ दिनों बाद आया है।

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Publisher, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsover.